फोनः—2238858, 2238859फैक्स.2239825
मीडिया .2236745 फोन/फैक्स

उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी

नेहरू भवन 10, माल एवेन्यू, लखनऊ

वीरेन्द्र मदान
प्रवक्ता

आवासः— सिंगार नगर, लखनऊ
फोन. 459777,9415021777

प्रकाशनार्थ दिनांक 22.11.2010

लखनऊ 22 नवम्बर।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव—प्रभारी उ0प्र0 श्री दिग्विजय सिंह कल दिनांक 23नवम्बर,2010 को इलाहाबाद पहुंच रहे हैं, जहां श्री सिंह 23नवम्बर से 24 नवम्बर तक इलाहाबाद के स्थानीय कार्यक्रमों में भाग लेंगे एवं 25नवम्बर को उ0प्र0 कांग्रेस कमेटी द्वारा इलाहाबाद के के0पी0 ग्राउण्ड पर आयोजित श्रीमती सोनिया गांधी जी की विशाल जनसभा में भाग लेंगे।

यह जानकारी देते हुए उ0प्र0 कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता वीरेन्द्र मदान ने बताया कि केन्द्रीय खाद्य प्रसंस्करण मंत्री श्री सुबोध कान्त सहाय कल दिनांक 23नवम्बर को लखनऊ आ रहे हैं जहां श्री सहाय गोमतीनगर, लखनऊ के सहारा शहर, आडिटोरियम, में आयेजित कार्यक्रम में भाग लेंगे।

....

लखनऊ 22 नवम्बर।

जनपद संतकबीरनगर के ग्राम मंझरिया, थाना—कोतवाली, खलीलाबाद में दलित स्त्रियों व पुरूषों पर पुलिस द्वारा निर्दयतापूर्वक लाठीचार्ज एवं उन पर फर्जी मुकदमें दर्ज कर प्रताड़ित करने के सम्बन्ध में उ0प्र0 कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष डॉ0 रीता बहुगुणा जोशी जी द्वारा गठित जांच दल ने प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय को अपनी जांच रिपोर्ट आज प्रदेश अध्यक्ष के लखनऊ से बाहर होने के कारण अनुशासन समिति के चेयरमैन श्री रामकृष्ण द्विवेदी को सौंपी।

प्रदेश कांग्रेस के प्रवक्ता वीरेन्द्र मदान ने बताया कि जांच दल का नेतृत्व कर रहे अनु.जाति जाति विभाग के चेयरमैन श्री रामकृष्ण, पूर्व आईएएस ने सौंपी रिपोर्ट में 11नवम्बर की सायं हुई दुर्घटना से उपजे आक्रोश की सिलसिलेवार मौके पर जाकर जांचकर बिन्दुवार अपनी रिपोर्ट सौंपी, जिसमें उ0प्र0 में पूरी तरह से चौपट हो चुकी कानून व्यवस्था, व्याप्त जंगलराज तथा पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा सत्ता के कार्यकर्ता के तौर पर काम करते हुए आम आदमी को प्रताड़ित करने का आरोप लगाते हुए कहा कि आज दलितों की मसीहा कही जाने वाली महिला के शासनकाल में उ0प्र0 का दलित समुदाय भी सुरक्षित नहीं है। घटना में मृत किशन के पिता रामदास पासवान एवं माता को पुलिस अधीक्षक द्वारा स्वयं लाठियों से पीटा गया, जो कि अमानवीय कृत्य है। इससे दलित समुदाय अपने को डरा और सहमा हुआ महसूस कर रहा है जैसा कि प्रकरण में सबसे बात करने के बाद तथ्य सामने आये हैं जिसमें यह बातें उभरकर आयी हैं कि सत्ता के दबाव में पुलिस प्रशासन द्वारा जिस तरह दलितों को बुरी तरह पीट—पीटकर उन पर फर्जी मुकदमें लादे गये हैं उसकी जितनी भी निंदा की जाय, कम है। सवाल यह है कि जिस सवारी गाड़ी द्वारा मृतक को कुचला गया उसके ड्राइवर के विरूद्ध बिना कोई कार्यवाही किये क्यों छोड़ दिया गया? जिसका विरोध करने पर पुलिस प्रशासन द्वारा मृतक के परिजनों एवं स्थानीय लोगों पर बर्बरतापूर्वक लाठियों से पीटना प्रदेश की वर्तमान बसपा सरकार की दलित विरोधी मानसिकता को दर्शाती है।

जांच समिति के अध्यक्ष श्री रामकृष्ण ने जिलाधिकारी संतकबीरनगर से मिलकर कांग्रेस पार्टी की ओर से दुर्घटना में मृत दलित के परिजनों को दस लाख रूपये मुआवजा तथा पीड़ित परिवार के खिलाफ लिखे गये फर्जी मुकदमों को वापस लिये जाने तथा उक्त मामले में दोषी पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों के खिलाफ समुचित कार्यवाही कर उनके द्वारा किये गये कृत्य की आपराधिक धाराओं में मुकदमा कायम कराये जाने की मांग की है।

सेवा में,

श्री सम्पादक/प्रतिनिधि,

....

लखनऊ।

(वीरेन्द्र मदान)